जिज्ञासा
ई-पत्रिका

राजभाषा विभाग, प्रधान कार्यालय,
दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे, बिलासपुर
अंक : 15, वर्ष - 2024

मुख्य संपादक	संपादक	उप संपादक
शशि प्रकाश द्विवेदी, मुख्य राजभाषा अधिकारी	लोकेश कुमार शर्मा, वरिष्ठ राजभाषा अधिकारी	पी.के.गवेल, वरिष्ठ अनुवादक

कंठस्थ 2.0 : Translation Memory

भारत सरकार / Government of India
गृह मंत्रालय / Ministry of Home Affairs
राजभाषा विभाग / Department of Official Language

कंठस्थ 2.0
- अनुवाद सारथी -

"**कंठस्थ**", ट्रांसलेशन मेमोरी तथा न्यूरल मशीन ट्रांसलेशन पर आधारित मशीन साधित अनुवाद प्रणाली है। तकनीकी की सहायता से अनुवाद के क्षेत्र मे तेजी लाने के लिए राजभाषा विभाग, गृह मंत्रालय द्वारा अगस्त 2018 में मॉरीशस मे आयोजित विश्व हिन्दी सम्मेलन के अवसर पर इसका लोकार्पण किया गया था। वर्तमान आवश्यकताओं को देखते हुए राजभाषा विभाग द्वारा इसका उन्नत संस्करण 'कंठस्थ 2.0' विकसित किया गया है।

इस अनुवाद प्रणाली से अनुवाद की प्रक्रिया में सहायता मिलती है। इस प्रणाली के माध्यम से अंग्रेजी से हिंदी तथा हिंदी से अंग्रेजी में अनुवाद संभव है। स्मृति आधारित इस अनुवाद सिस्टम की मुख्य विशेषता यह है कि इसमें यूजर द्वारा किए गए अनुवाद कार्य को संग्रहित किया जाता है जिसे किसी नई फाइल के अनुवाद के लिए पुन: प्रयोग किया जा सकता है। यदि अनुवाद की नई फाइल का वाक्य टी.एम. के डाटाबेस से पूर्णत: अथवा आंशिक रूप से मिलता है तो यह सिस्टम उस वाक्य के अनुवाद को टी. एम. से खोज कर लाता है। यदि वाक्य का अनुवाद डेटाबेस में नहीं हो तो यह न्यूरल मशीन ट्रांसलेशन की सहायता से उस वाक्य का अनुवाद उपलब्ध करवाता है।

ट्रांसलेशन मेमोरी डेटाबेस बनाने के लिए स्रोत भाषा के वाक्यों एवं लक्षित भाषा में उनके अनुवादित वाक्यों का विश्लेषण किया जाता है। अनुवाद के लिए सिस्टम का निरंतर प्रयोग करते रहने से टी.एम. का डेटाबेस उत्तरोत्तर बढ़ता रहता है तथा इसके सारे प्रयोक्ता किसी भी अन्य प्रयोक्ता द्वारा किए गए अनुवाद का लाभ उठा सकते हैं। इससे न केवल अनुवाद, टाइपिंग और वैटिंग में लगने वाले समय की बचत होती है बल्कि एक जैसे वाक्यों के लिए समान शब्दावली का इस्तेमाल करते हुए अनुवाद की एकरूपता बनी रहती है।

इस सॉफ्टवेयर पर काम करना बहुत सरल है। कोई भी प्रयोक्ता जिसे कंप्यूटर पर टंकण करना आता है,

इस सॉफ्टवेयर पर बड़ी आसानी से काम कर सकता है। यह यूनिकोड फॉन्ट पर काम करता है और इसमें MS Word, Excel, PPT जैसी अनेक प्रकार की फाइलें खोलकर उनका अनुवाद किया जा सकता है। इसे भारत सरकार के राजभाषा विभाग द्वारा सी-डेक, पुणे के सहयोग से तैयार किया गया है।

कंठस्थ 2.0 में प्रयोग किए जाने वाले मुख्य शब्द :

ट्रांसलेशन मेमोरी (TM) :- ट्रांसलेशन मेमोरी वस्तुत: एक डेटा बेस है जिसमें स्रोत भाषा के वाक्यों एवं लक्षित भाषा में उन वाक्यों के अनूदित रूप को एक साथ रखा जाता है। यह दो प्रकार की होती है :

लोकल टी एम – यूजर के लॉगिन पर जो TM बनती है उसे लोकल टी.एम. कहते हैं। यह प्रोजेक्ट तथा फोल्डर के आधार पर संग्रहित होती है। तथा प्रत्येक यूजर की अपनी अपनी टी.एम. होती है। अनुवाद के लिए सिस्टम का निरंतर प्रयोग करते रहने से टी.एम. का डेटा बेस बढ़ता रहता है।

ग्लोबल टी एम – यह TM कंठस्थ 2.0 के सैंट्रल सर्वर (राजभाषा विभाग द्वारा NIC की सहायता से हैदराबाद में स्थापित) पर संग्रहित होती है तथा vetter द्वारा इसको सर्वर पर अपलोड किया जाता है। इसी टी.एम. को ग्लोबल डेटा बेस भी कहते है तथा ग्लोबल टी.एम. प्रत्येक यूजर के लिए अप्रत्यक्ष रूप से उपलब्ध रहती है।

पूर्णत: मिलान– जिन वाक्यों का अनुवाद करते समय सिस्टम पूर्णत: मिलान दिखाता है उन वाक्यों का स्कोर 100 आता है। इसका अर्थ यह है कि इस वाक्य का अनुवाद 100% सही है।

आंशिक मिलान – जिन वाक्यों का 100 % मिलान नहीं होता है परंतु 1% से 99% तक के मध्य का मिलान उपलब्ध होता है तो उसे Fuzzy Match या आंशिक मिलान कहते है। इस मिलान के प्रतिशत को यूजर कम या ज्यादा भी कर सकते हैं अथवा इसे हटा भी सकते है।

NMT (न्यूरल मशीन ट्रांसलेशन) - जब किसी वाक्य का अनुवाद ग्लोबल या लोकल टी.एम. से प्राप्त नहीं होता है तो यह न्यूरल मशीन ट्रांसलेशन की सहायता से उस वाक्य का अनुवाद उपलब्ध करवाता है।

स्रोत भाषा- जिस भाषा में फाइल अनुवाद के लिए अपलोड की जाती है उसे स्रोत भाषा या Source Language कहते हैं। कंठस्थ 2.0 पर हिन्दी तथा अँग्रेजी भाषा की फाइलें अनुवाद के लिए अपलोड की जा सकती हैं।

लक्षित भाषा – जिस भाषा में फाइल का अनुवाद किया जाता है उस भाषा को लक्षित भाषा या Target Language कहते हैं।

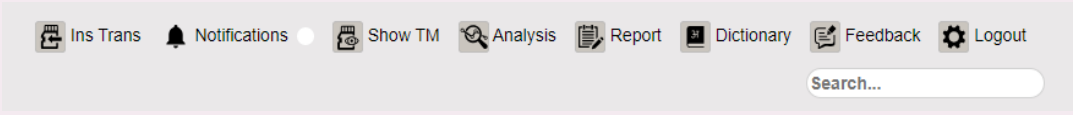

मेन्यू बार – कंठस्थ 2.0 के लॉगिन के बाद होम पेज पर ऊपर मध्य से दाहिनी ओर तक 08 बटनों का एक समूह है जिसे मेन्यू बार कहते हैं। इसमें Ins Trans, notification, Show TM, Analysis, Report, Dictionary, feedback तथा Logout के बटन उपलब्ध हैं।

टूल बार – यह हर पेज पर अलग अलग बटनों के साथ उपलब्ध है। जैसे होमपेज पर 02 टूल बटन, प्रोजेक्ट पेज पर 03 टूल बटन तथा फोल्डर पेज पर 11 टूल बटन के साथ उपलब्ध है।

एडिटर पेज – जिस पेज पर फाइल का अनुवाद कार्य किया जाता है उस पेज को एडिटर पेज कहते हैं। यह किसी भी फाइल को डबल क्लिक करने पर खुल जाता है तथा इस पेज पर कुल 21 टूल बटन दिये गए हैं।

कंठस्थ 2.0 का उपयोग कैसे करें:

सबसे पहले राजभाषा विभाग के होमपेज https://rajbhasha.gov.in/ पर ई-टूल्स में जाएं और वहाँ कंठस्थ संस्करण 2 – स्मृति आधारित अनुवाद सॉफ्टवेयर पर क्लिक करें या फिर सीधे https://kanthasth-rajbhasha.gov.in/ पर जाएं। ऐसा करने पर उपयोगकर्ता लॉगिन पेज खुल जाएगा।

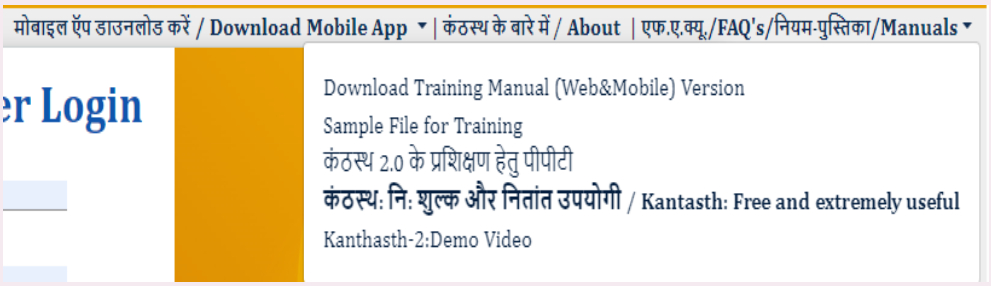

खुलने वाले पृष्ठ में सबसे ऊपर दायीं ओर आपको ***"मोबाइल ऍप डाउनलोड करें / Download Mobile App | कंठस्थ के बारे में / About | एफ.ए.क्यू. / FAQ's / नियम पुस्तिका / Manuals"*** लिखा मिलेगा। **'कंठस्थ के बारे में / About'** पर क्लिक करने पर कंठस्थ के बारे में संक्षिप्त जानकारी मिलेगी। दूसरे हिस्से **'एफ.ए.क्यू./FAQ's/नियम-पुस्तिका/ Manuals'** पर क्लिक करने पर कंठस्थ से संबंधित ट्रेनिंग मैनुअल, ट्रेनिंग के लिए सैंपल फाइल, कंठस्थ 2.0 के प्रशिक्षण हेतु पीपीटी तथा डेमो विडियो संबंधी जानकारियाँ मिल जाएंगी।

पंजीकरण:

ट्रांसलेशन मेमोरी सिस्टम का उपयोग करने से पूर्व प्रयोगकर्ता को पंजीकरण करना आवश्यक है। इस सिस्टम में पंजीकरण करने के लिए पंजीकरण बटन दबाएं एवं पंजीकरण फार्म में आवश्यक सूचनाएं भरें। पंजीकरण की प्रक्रिया में प्रयोगकर्ता की ई-मेल आई.डी. का सत्यापन किया जाता है। प्रयोगकर्ता द्वारा अपनी ई-मेल आई.डी. लिखे जाने पर Verify बटन सक्रिय होता है। इस बटन को दबाने पर एक वन टाइम पासवर्ड (ओ.टी.पी.) दिए गए ई-मेल पर प्राप्त होता है। प्रयोगकर्ता को ई-मेल के सत्यापन के लिए इस ओ.टी.पी. को दिए गए बॉक्स में लिखना होता है।

सभी आवश्यक सूचनाओं की प्रविष्टि एवं सत्यापन के पश्चात् Register बटन दबाएं। पंजींकरण-प्रक्रिया सफलतापूर्वक पूर्ण होने पर पुनः Login बटन को दबाने से 'लॉग-इन' पृष्ठ खुलेगा।

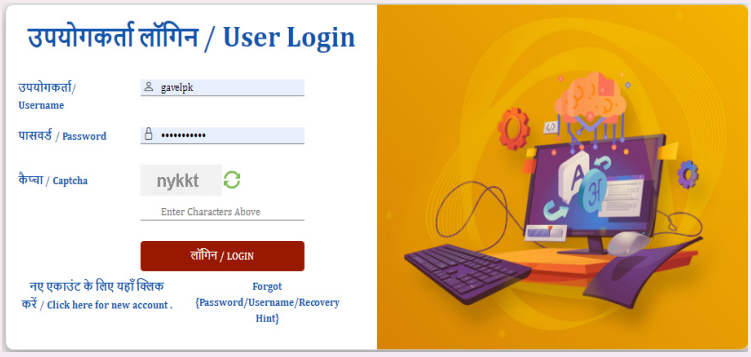

नया प्रोजेक्ट बनाना:

इस प्रणाली की संरचना में, प्रोजेक्ट, आपस में संबंधित विभिन्न फोल्डरों एवं फाइलों को व्यवस्थित रखने की एक इकाई है। यह ठीक उसी तरह है जैसे हम अपने कंप्यूटर में एक फोल्डर में अनेक संबंधित फाइलें एक साथ रखते हैं। प्रयोगकर्ता को सबसे पहले एक प्रोजेक्ट बनाना है तथा उसके अंदर फोल्डर बनाने हैं। नया प्रोजेक्ट बनाने के लिए आवश्यक बटन प्रोजेक्ट मेनू के अंदर है। प्रयोगकर्ता

अपनी आवश्यकता के हिसाब से अनेक प्रोजेक्ट बना सकता है।

प्रोजेक्ट प्राप्तिः

इस मेनू बटन की आवश्यकता आपको किसी अन्य प्रयोगकर्ता द्वारा बनाए हुए प्रोजेक्ट का प्रयोग अपने सिस्टम में करने के लिए होगी। इसके लिए आपको उस प्रोजेक्ट के जिप फोल्डर (zipped folder) को अपने सिस्टम पर प्राप्त (Import) करना होगा। तत्पश्चात आप उस प्रोजेक्ट की फाइलों को अपने एडिटर में खोलकर अनुवाद कर सकते हैं।

नया फोल्डर बनाएं :

अनुवाद हेतु इस सिस्टम का प्रयोग करने के लिए नया फोल्डर बनाना आवश्यक है। इस बटन के द्वारा एक नया फोल्डर बनाया जाता है एवं उससे संबंधित संक्षिप्त विवरण लिखा जाता है। एक फोल्डर के अंतर्गत अनेक फाइलें जोड़ी जा सकती हैं। इन फाइलों का विस्तार (extension) कुछ भी हो सकता है। इस फोल्डर के अंतर्गत नई अथवा विद्यमान ट्रांसलेशन मेमोरी का प्रयोग किया जा सकता है।

ट्रांसलेशन मेमोरी बनानाः

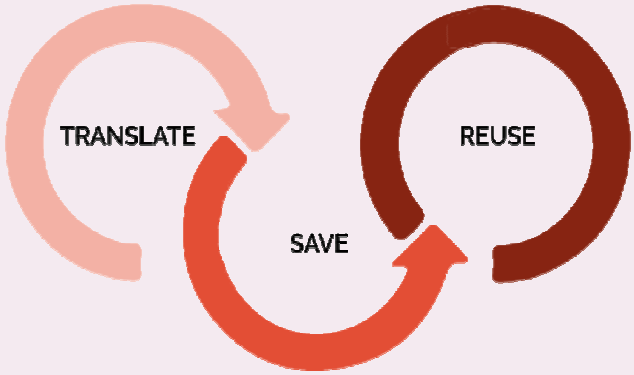

यह मेनू बटन, फोल्डर के अंदर एक नई ट्रांसलेशन मेमोरी बनाने के लिए प्रयोग किया जाता है। ट्रांसलेशन मेमोरी में वाक्य अथवा वाक्यों को उनके अनुवादित रूप के साथ सारणीबद्ध रूप में रखा जाता है। ट्रांसलेशन मेमोरी पर आधारित अनुवाद पद्धति मशीन-आधारित अनुवाद प्रणाली का एक भाग है जिससे अनुवाद की प्रक्रिया में सहायता मिलती है। इस पद्धति के द्वारा पूर्व में किए गए अनुवाद को भविष्य में किए जाने वाले अनुवाद के लिए प्रयोग करना संभव होता है।

ट्रांसलेशन मेमोरी के दो प्रकार हैं: प्राथमिक ट्रांसलेशन मेमोरी एवं द्वितीयक ट्रांसलेशन मेमोरी

प्राथमिक ट्रांसलेशन मेमोरीः

प्रोजेक्ट बनाते समय प्रयोगकर्ता प्राथमिक ट्रांसलेशन मेमोरी का निर्धारण कर सकता है। प्रयोगकर्ता द्वारा किया गया अनुवाद कार्य इसी प्राथमिक ट्रांसलेशन मेमोरी में ही सेव (save) होता है।

द्वितीयक ट्रांसलेशन मेमोरीः

प्राथमिक ट्रांसलेशन मेमोरी के अतिरिक्त सिस्टम में द्वितीयक ट्रांसलेशन मेमोरी भी हो सकती है। इस द्वितीयक ट्रांसलेशन मेमोरी को प्रयोगकर्ता स्वयं भी बना सकता है अथवा किसी अन्य फोल्डर में प्रयुक्त मेमोरी को भी द्वितीयक ट्रांसलेशन मेमोरी के रूप में प्रयोग कर सकता है। यदि किसी वाक्य का अनुवाद प्राथमिक ट्रांसलेशन मेमोरी में उपलब्ध नहीं है तो सिस्टम उस वाक्य का अनुवाद द्वितीयक ट्रांसलेशन मेमोरी में ढूंढेगा।

नई ट्रांसलेशन मेमोरी बनाने के अतिरिक्त, प्रयोगकर्ता अपने सिस्टम में विद्यमान ट्रांसलेशन मेमोरी को भी फोल्डर में जोड़ सकता है।

फोल्डर प्राप्तिः

यदि आपके पास अन्य प्रयोगकर्ता/सिस्टम से प्राप्त किसी फोल्डर का जिप (zipped folder) है तो आप इस मेनू बटन के माध्यम से उसे अपने सिस्टम पर प्राप्त कर सकते हैं।

प्रोजेक्ट भेजना:

यदि आप चाहते हैं कि आपके द्वारा किए हुए कार्य का अन्य प्रयोगकर्ता भी उपयोग कर सकें अथवा आप स्वयं एक सिस्टम पर किए गए कार्य का अन्य सिस्टम पर प्रयोग करना चाहते हैं तो इस मेनू बटन का प्रयोग करें। इसके लिए आपको उस प्रोजेक्ट का जिप (zipped folder) नए सिस्टम पर लाना होगा।

फाइल मेनू:

एडिटर में फाइल खोलना— किसी भी फाइल को ट्रांसलेशन हेतु एडिटर में खोलने के लिए सबसे पहले फाइल व्यू में जाएं और फाइल के नाम पर डबल क्लिक करें। इससे फाइल ट्रांसलशन के लिए एडिटर में खुल जाएगी।

फाइल जोड़ना— यदि प्रयोगकर्ता ने फोल्डर में अनुवाद के लिए पहले से ही फाइलें जोड़ रखी हैं तथा वह बाद में कुछ और फाइलें भी जोड़ना चाहता है तो इस बटन के माध्यम से नई फाइलें जोड़ी जा सकती हैं।

फोल्डर भेजना— जिस तरह एक प्रोजेक्ट को दूसरे सिस्टम पर भेजा जाता है, उसी तरह एक फोल्डर के अंतर्गत किए गए कार्य को भी दूसरे सिस्टम पर भेजा जा सकता है। इसके लिए इस मेनू बटन का प्रयोग करें। इससे उस फोल्डर का एक जिप फोल्डर (zipped folder) बनेगा जिसे आपको नए सिस्टम पर लाना होगा।

टी. एम. जोड़ें— यह मेनू बटन किसी एक प्रयोगकर्ता के द्वारा बनाई गई ट्रांसलेशन मेमोरी को किसी अन्य प्रयोगकर्ता के प्रोजेक्ट में जोड़ने के लिए है। इससे एक प्रयोगकर्ता द्वारा किए गए कार्य का लाभ दूसरे प्रयोगकर्ता को मिल सकेगा।

प्रविष्टि सत्यापित करें— असत्यापित प्रविष्टियों को उपयोगकर्ता द्वारा सत्यापित करने की आवश्यकता है ताकि अनुवाद प्रक्रिया के दौरान खोज में नए जोड़े गए खंडों पर भी विचार किया जा सके। असत्यापित खंड (खंडों) में आवश्यक संशोधन करें, फिर खंड का चयन करें और **"प्रविष्टि सत्यापित करें"** बटन पर क्लिक करें। फिर उस सेगमेंट को सत्यापित माना जाएगा और उसे सेगमेंट के असत्यापित सेट से सेगमेंट के सत्यापित सेट में स्थानांतरित कर दिया जाएगा।

अनुवादित फाइल डाउनलोड— इस बटन के द्वारा अनुवादित फाइल को डाउनलोड किया जा सकता है। स्रोत फाइल के पूरी तरह से अनुवादित होने पर ही उसे डाउनलोड किया जा सकता है।

फाइल भेजें-

प्रयोगकर्ता जिस फाइल पर कार्य कर रहा है, उसे अन्य प्रयोगकर्ताओं को भी भेज सकता है।

यह दो प्रकार से संभव है:

आंतरिक नेटवर्क के द्वारा : यदि प्राप्तकर्ता टी.एम. सिस्टम में पंजीकृत प्रयोगकर्ता है तो सिस्टम के आंतरिक नेटवर्क के माध्यम से उसे फाइल भेजी जा सकती है। इसके लिए फाइल का चयन करके प्राप्तकर्ता के नाम को दिए गए बॉक्स से चुनना है।

ई-मेल के द्वारा : यदि प्राप्तकर्ता पंजीकृत प्रयोगकर्ता है अथवा नहीं है, इन दोनों ही स्थितियों में, ई-मेल के द्वारा उसे फाइल भेजी जा सकती है। इसके लिए फाइल का चयन करके Share बटन को दबाने से एक बॉक्स खुलेगा। इसमें प्राप्तकर्ता का ई-मेल आई.डी. लिखकर Send File बटन दबाएं। यदि प्राप्तकर्ता पंजीकृत प्रयोगकर्ता नहीं है तो वह सिस्टम में पंजीकरण करने के पश्चात् इस फाइल को सिस्टम में Import करके इस पर कार्य कर सकता है।

अपनी टी एम को ग्लोबल में कैसे भेजे :

कंठस्थ के सेंट्रल सर्वर (ग्लोबल टी एम) पर डेटा अपलोड करने के लिए राजभाषा विभाग ने मंत्रालय / विभागों / कार्यालयों / बैंको / उपक्रमों द्वारा नामित अधिकारियों को ही जांचकर्ता (vetter) के रूप में अधिकृत किया है।

अनुवाद कार्य को ग्लोबल टीएम में भेजने के लिए आपको उसे पहले अपने vetter को भेजना होगा जिसके लिए होम पेज पर मेन्यू बार में **"Show TM"** पर क्लिक करें। भेजी जाने वाली टीएम का चयन करने के लिए उस पर डबल क्लिक करें जिससे आपकी TM खुल जाएगी। इस पेज पर vetter की सूची में से अपने विभाग के vetter का चयन करें। तत्पश्चात टीएम को select कर टूल बार में "**Send to vetter (वैटर को भेजे)** " पर क्लिक करें।

जिन यूजरों को जांचकर्ता के रूप में अधिकृत किया गया है उनके पास टीएम पेज पर टूल बार में समीक्षा (Review) नामक टूल बटन दिखाई देता है जिस पर क्लिक करने से वैटर को प्राप्त हुई टीएम की जानकारी यूजर के आधार पर उपलब्ध होती है। यूजर के नाम पर क्लिक करने से उसके द्वारा भेजी गई सभी TM दिखाई देती हैं जिनकी वैटर द्वारा जांच कर टूल बार में **"Commit all to Global"** पर क्लिक कर TM को ग्लोबल में भेजा जा सकता है।

ओटोमैटिक स्पीच रिकॉग्निशन (पहचानना) —

स्पीच रिकॉग्निशन एक तकनीक है, जो मानव द्वारा बोले गए शब्दों को इनपुट के जैसे लेता है और उन शब्दों को डिजिटल रूप में बदलता है।

स्पीच रिकॉग्निशन के कुछ लाभ:

1. बोलना टाइपिंग की तुलना में ज्यादा तेज है।
2. शब्दों की त्रुटि और गलत वाक्य लिखने से बचाता है।

ओटोमैटिक स्पीच रिकॉग्निशन (एएसआर) का उपयोग कैसे करें—

1. अंतिम आंतरिक फाइल में एएसआर बटन पर क्लिक करें।
2. एक विंडो खुलेगी।
3. आप उस भाषा का चयन कर सकते हैं जिसमें आप बोलना चाहते हैं।
4. स्टार्ट बटन पर क्लिक करें और बोलना शुरू करें।
5. स्टॉप बटन पर क्लिक करें और आउटपुट देखें।

तुरंत अनुवादः

यदि प्रयोगकर्ता प्रोजेक्ट, फोल्डर इत्यादि नहीं बनाना चाहता है तो वह इस बटन के द्वारा सीधे ही फाइल का अनुवाद कर सकता है। इसके लिए प्रयोगकर्ता फाइल के टेक्स्ट को नीचे दर्शाए गए बॉक्स में लिखे अथवा कॉपी करे। इसके बाद Open in Editor का बटन दबाने से यह फाइल एडिटर में खुलेगी।

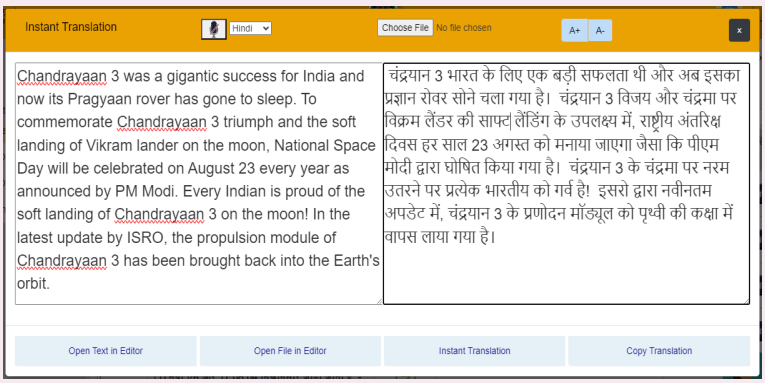

चैटबॉटः

लॉग इन करने के बाद, उपयोगकर्ता चैटबॉट को स्क्रीन के नीचे दाईं ओर देख सकता है जैसा कि ऊपर दिखाया गया है। चैटबॉट का उपयोग कंठस्थ की कार्यक्षमता को समझने के लिए या कंठस्थ के बारे में जानने के लिए किया जा सकता है। चैटबॉट कार्यक्षमता का उपयोग करने के लिए, बस चैटबॉट आइकन पर क्लिक करें। चैटबॉट आगे बढ़ने के लिए कई विकल्प प्रदान करता है,उपयोगकर्ता अपने प्रश्न के अनुसार उन पर क्लिक कर समाधान पा सकता है।

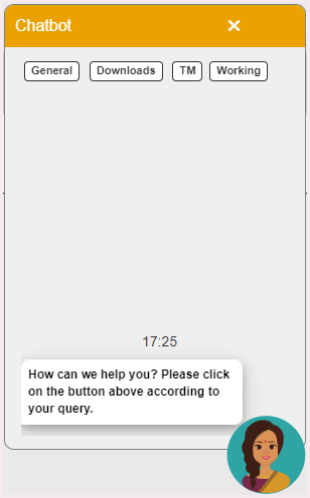

शब्दकोशः

प्रयोगकर्ता इस शब्दकोश का प्रयोग किसी शब्द के अर्थ एवं समानार्थी शब्द खोजने के लिए कर सकता है। प्रयोगकर्ता स्वयं भी किसी शब्द को शब्दकोश में जोड़ सकता है, हटा सकता है और सुधार कर सकता है।

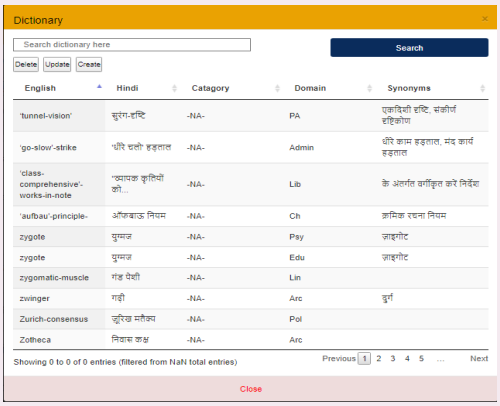

ऑनलाइन कंठस्थ की विशेषताएँ—

- तीन तरह की थीम दी गई हैं-हरी, नीली और गुलाबी। किसी को भी चुना जा सकता है।
- स्मार्ट चैटबॉट (Smart Chatbot) की सुविधा।
- विभिन्न फ़ाइल-एक्सटेंशन/ फॉर्मेट (36 प्रकार) का समर्थन करता है।
- ओटोमैटिक स्पीच रिकॉग्निशन।
- गुणवत्ता जाँच।
- Add TM के साथ Create TM भी है।
- 100% match को अलग रंग से दर्शाया गया है।
- छोटा सा शब्दकोश भी शामिल किया गया है जिससे आप मदद ले सकते हैं।

त्वरित अनुवाद (Instant translation) की सुविधा। यदि आप अलग से कोई फाइल न खोलकर केवल एक दो या दो-चार वाक्यों का ही अनुवाद करना चाहते हैं तो home page पर ही Instant Translation पर जाएं और अपने वाक्य को यहीं पेस्ट कर दें और नीचे Open in Editor पर क्लिक कर दें तो यह सीधे जाकर Editor में खुल जाएगी जहाँ आप इसका अनुवाद सीधे कर सकते हैं।

फीडबैक तथा किसी अन्य तकनीकी सहायता के लिए कृपया राजभाषा विभाग, गृह मंत्रालय से (techcell-ol @nic.in या 011-23438150 पर) सीधे संपर्क कर सकते है।

*****

मुक्तक

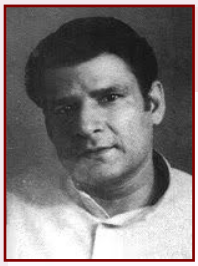

— दुष्यंत कुमार

सँभल सँभल के बहुत पाँव धर रहा हूँ मैं
पहाड़ी ढाल से जैसे उतर रहा हूँ मैं
क़दम क़दम पे मुझे टोकता है दिल ऐसे
गुनाह कोई बड़ा जैसे कर रहा हूँ मैं।

तरस रहा है मन फूलों की नई गंध पाने को
खिली धूप में, खुली हवा में, गाने मुसकाने को
तुम अपने जिस तिमिरपाश में मुझको क़ैद किए हो
वह बंधन ही उकसाता है बाहर आ जाने को।

गीत गाकर चेतना को वर दिया मैंने
आँसुओं से दर्द को आदर दिया मैंने
प्रीत मेरी आत्मा की भूख थी, सहकर
ज़िंदगी का चित्र पूरा कर दिया मैंने।

जो कुछ भी दिया अनश्वर दिया मुझे
नीचे से ऊपर तक भर दिया मुझे
ये स्वर सकुचाते हैं लेकिन तुमने
अपने तक ही सीमित कर दिया मुझे।

— दुष्यंत कुमार
जन्म : 01 सितम्बर 1933
राजपुर, नवादा, उत्तर प्रदेश
निधन : 30 दिसम्बर 1975
भोपाल, मध्यप्रदेश

अंग्रेजी की विदेशी अभिव्यक्तियाँ / Foreign Expressions

A la Carte	तालिका के अनुसार
A la mode	फैशन के अनुसार
Apropos (of)	के संबंध में
Ab initio	आदितः, प्रारम्भ से
Ad hoc	तदर्थ
Ad infinitum	निरवधि
Ad valorem	यथा मूल्य
Alibi	अन्यत्र-स्थिति, बहाना
Alter ego	सहचर, अंतरंग (मित्र)
Belles-lettres	ललित साहित्य
Bon voyage	यात्रा शुभ हो
Bona fide	सदाशयी, वास्तविक
Bourgeoisie	मध्यम वर्ग
Carte blanche	पूर्णाधिकार-पत्र
Charge d affaires	कार्यदूत
Corrigenda	शुद्धि-पत्र
Coup d etat	आकस्मिक शासन-परिवर्तन
De facto	वस्तुतः
De Jure	विधितः
De novo	नाय सिरे से
Dentente	तनाव-शैथिल्य
Dies non	अकार्य दिवस
Elite	संभ्रांत वर्ग
En bloc/En masse	सामूहिक रूप से
En route	मार्ग में
Ex gratia	अनुग्रहपूर्वक, अनुग्रह
Ex officio	पदेन
Ex post facto	कार्योत्तर
Fait accompli	निष्पन्न कार्य
Genre	शैली, प्रकार
Habeas corpus	बंदी प्रत्यक्षीकरण
Ibid	वही, पूर्वोक्त
Impasse	गतिरोध
In camera	गुप्त
In cognito	छद्म वेश में
Inter se	परस्पर

Laissez faire	अहस्तक्षेप
Lingua franca	जनभाषा
Locus standi	सुने जाने का अधिकार
Malafide	कदाशयी
Memento	स्मृति-चिह्न
Memoirs	संस्मरण
Modus operandi	कार्य-प्रणाली
Modus Vivendi	निर्वाह-रीति
Mutatis mutandis	आवश्यक परिवर्तनों सहित
Non pareil	अद्वितीय, अतुलनीय
Pari passu	के साथ-साथ
Per annum	प्रतिवर्ष
Per capita	प्रति व्यक्ति
Per diem	प्रतिदिन
Per mensem	प्रतिमाह
Persona grata	ग्राह्य व्यक्ति
Post mortem	शव-परीक्षा, विश्लेषण
Prime Facie	प्रथम दृष्ट्या
Pro rata	यथानुपात
Pro tem	अस्थायी
Quid pro quo	अदल-बदल, मुआवजा
Quod vide	इसे देखो
Raison d etre	प्रयोजन,कारण
Sans Sine die	अनिश्चित काल के लिए
Sine qua non	अनिवार्य/अपरिहार्य शर्त
Son-et-lumiere	ध्वनि और प्रकाश
Status quo	यथास्थिति
Sub judice	न्यायाधीन
Summun bonum	परमार्थ
Suo moto	स्वप्रेरित, स्वप्रेरणा से
Ultra vires	शक्ति बाह्य
Verbatim	शब्दशः, अक्षरशः
Via media	मध्यमार्ग
Vice versa	के विपरीत
Vis-`a-vis	की तुलना में
Viva voce	मौखिक परीक्षा

सजल रेल गीत

भारत के जीवन की रेखा,
है अपना ये रेलवे
हर दम हर पल करता सेवा,
है अपना ये रेलवे

जन-जन के जीवन में हर पल,
नया सवेरा लाने को
सदा प्रयास समन्वित करता,
है अपना ये रेलवे

निश-दिन करके माल ढुलाई,
करता खूब कमाई है
बढ़े सभी व्यापार चाहता,
है अपना ये रेलवे

यातायात सुगम करके नव,
सेवा का इतिहास रचे
सबका सबसे मेल कराता,
है अपना ये रेलवे

बारहमासी लाभार्जन हो,
पर्यटनों से देश जुड़ा
अग्रदूत ही उद्योगों का,
है अपना ये रेलवे

भारत की समृद्ध संस्कृति,
अग- जग में विख्यात रही
जीडीपी भी खूब बढ़ाता,
है अपना ये रेलवे

रहा मददगार कृषकों का,
कृषि कार्य व्यापार बना
दुनिया में बाजार बढ़ाता,
है अपना ये रेलवे

हाई स्पीड रेल की खातिर,
अपना मंथन जारी है
आटो मोबाइल चमकाता,
है अपना ये रेलवे

ई- वर्किंग से पेड़ बचाता,
सुरक्षा -संरक्षा देता
पालन सदा समय का करता,
है अपना ये रेलवे

संकल्पित सब किए काम को,
स्वावलंबन आधार रखा
तब सब को संतुष्ट कराता,
है अपना ये रेलवे

इक अखण्ड भारत हो अपना,
सबका साथ विकास रहे
यही सोच ले आगे बढ़ता,
है अपना ये रेलवे

— सुरेश पैगवार
टीएम-2 / रेल पथ / चांपा
मुख्य जनसंपर्ग अधिकारी,
द.पू.म रेलवे, बिलासपुर

हिंदी द्वारा सारे देश को एक सूत्र में पिरोया जा सकता है।

सावन आया

सावन की फिर बयार आई,
संग रिमझिम फुहार लाई ।

अब आसमान में बादलों का घेरा होगा,
धरा का रूप हरा-सुनहरा होगा ।

फिर बादलों से पानी बरसेगा,
अब न कोई प्यासा तरसेगा ।

सुखे तालाबों में फिर जान होगी,
प्यासी नदियों में उफान होगी ।

कोयल दरख्तों में कुहकेंगे,
मोर नाच-नाच कर बहकेंगे ।

वादियों में फिर हरयाली होगी,
शाम की छटा में फिर लाली होगी ।

बाग-बगीचों में बहार आएगा,
खेतों में खुशियां लह-लहाएगा ।

गांवों मे सावन के मेले लगेंगे,
पेड़ों की शाखाओं पर फिर झूले सजेंगे ।

फिर हरयाली का त्यौहार आएगा,
जो सब के मन को बहलाएगा ।

— विजय देवांगन
कार्यालय अधीक्षक, राजभाषा विभाग,
द.पू.म.रेलवे, बिलासपुर मंडल

किताबें

किताबें,
सबके कल्याण के लिए लिखी जाती हैं

किताबें
ज्ञान और विज्ञान की बाते समझाती हैं

किताबें
भाषा और विचार को समृद्ध करती हैं

किताबें
तर्क का कौशल सिखाती हैं

किताबें
आशु और मुस्कान का महत्व बताती हैं

किताबें
सबकी सच्ची मित्र होती हैं

किताबें
बदले में कुछ नही मांगती हैं

किताबें
ये किताबें वे किताबें
सबके जीवन में अहम किरदार हैं किताबें

— राकेश श्रीवास
लोको पायलट / गुड्स
द.पू.म. रेलवे, बिलासपुर

हिंदी वह धागा है, जो विभिन्न मातृभाषा रूपी फूलों को पिरोकर भारत माता के लिए सुंदर हार का सृजन करता है।

राजभाषा विभाग की गतिविधियाँ

महाप्रबंधक, द.पू.म. रेलवे, बिलासपुर की अध्यक्षता में दिनांकः 12.02.2024 को आयोजित नराकास की बैठक ।

अपर महाप्रबंधक, द.पू.म. रेलवे, बिलासपुर की अध्यक्षता में दिनांकः 04.01.2024 को आयोजित क्षेराकास की बैठक ।

दिनांकः 28.08.2023 को नराकास के तत्वावधान में आयोजित राजभाषा संगोष्ठी का एक दृश्य।

दिनांकः 03.10.2023 को आयोजित राजभाषा पुरस्कार वितरण समारोह का एक दृश्य।

राजभाषा विभाग, प्रधान कार्यालय, बिलासपुर द्वारा आयोजित विभिन्न प्रतियोगिताओं का दृश्य।